कोहली के बयान पर गंभीर हुआ बीसीसीआई

नागपुर। बीसीसीआई के कार्यवाहक अध्यक्ष सीके खन्ना ने आज कहा कि बोर्ड को कप्तान विराट कोहली के 'व्यस्त कार्यक्रम' के विचार पर गंभीरता से आकलन करने की जरूरत है जिससे भारत के पास अगले महीने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ उसकी सरजमीं पर होने वाली सीरीज की तैयारी के लिए बहुत ही कम समय बचा है। खन्ना यह भी चाहते हैं कि बोर्ड सदस्य इतने कम समय में लगातार तीन सीरीज रखने के फैसले पर भी ध्यान दें।

मुद्दे पर विचार करने की जरूरत

खन्ना ने कहा, ''विराट भारतीय कप्तान हैं और क्रिकेटिया मामलों में उनके विचारों को पूरी गंभीरता से देखा जाना चाहिए। हमें टीम के प्रदर्शन पर गर्व है लेकिन अगर खिलाड़ी थके हुए महसूस कर रहे हैं तो हमें इस मुद्दे पर विचार करने की जरूरत है। '' इस अनुभवी प्रशासक ने स्वीकार किया कि बोर्ड को भविष्य की घरेलू सीरीज के आयोजन पर ध्यान देने की जरूरत है। उन्होंने कहा, ''मुझे लगता है कि हमें आकलन करना चाहिए कि क्या खिलाडियों को बिना ब्रेक दिये लगातार तीन सीरीज आयोजित करना अच्छा विकल्प है या नहीं। इस मामले को उचित मंच पर उठाया जाना चाहिए।

9 दिसंबर को छिड़ेगा मुद्दा

आम सभा बैठक में छेड़ा जाएगा यह मुद्दा

यह अच्छा होगा, अगर इस मुद्दे को नौ दिसंबर को होने वाली आम सभा बैठक में शामिल किया जाये। '' भारतीय क्रिकेटर आईपीएल के शुरू होने के बाद से लगातार क्रिकेट खेल रहे हैं, इसके बाद आईसीसी चैम्पियंस ट्राफी, वेस्टइंडीज और श्रीलंका के दौरे तथा घरेलू मैदान पर आस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड और श्रीलंका के खिलाफ लगातार तीन घरेलू सीरीज में 23 मैच (तीन टेस्ट, 11 वनडे और नौ टी20 अंतरराष्ट्रीय) शामिल रहे।

क्या कहा था कोहली ने?

कोहली ने लगातार क्रिकेट सीरीज आयोजित करने और खराब प्लैनिंग को लेकर गुरुवार को भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) को कोसा। विराट ने कहा कि किसी भी सीरीज की तैयारी के लिए समय की जरूरत होती है। उन्होंने कहा कि सीरीज की तैयारी के लिए एक महीने का वक्त होना चाहिए, लेकिन हमें तय कार्यक्रम के मुताबिक ही तैयारी करनी होती है। उन्होंने कहा कि अधिक क्रिकेट से खिलाड़ियों की परफॉर्मेंस पर असर पड़ रहा है। उन्होंने साथ ही कहा कि किसी भी क्रिकेट सीरीज की तैयारी के लिए समय की जरूरत होती है।

अफ्रीका दौरे की तैयारी के लिए समय नहीं, इसलिए उछालभरी पिचें बनवाई

भारतीय कप्तान विराट कोहली ने स्वीकार किया कि दक्षिण अफ्रीका दौरे की तैयारी के लिए अधिक समय नहीं होने के कारण टीम प्रबंधन के पास श्रीलंका के खिलाफ मौजूदा श्रृंखला के लिए उछालभरी पिचें बनाने का अनुरोध करने के सिवाय कोई चारा नहीं था। यह पूछने पर कि क्या उन्होंने उछालभरी पिचों की मांग की थी, कोहली ने कहा ,'' हां क्योंकि इस श्रृंखला के खत्म होने के दो दिन बाद हमें दक्षिण अफ्रीका रवाना होना है। हमारे पास उस दौरे पर मिलने वाले हालात में खेलने के अलावा कोई चारा नहीं था।''

एक महीने का ब्रेक मिलता तो तैयारी कर सकते थे

उन्होंने कहा ,'' हमें एक महीने का ब्रेक मिलता तो हम बेहतर तैयारी कर सकते थे लेकिन अब जो स्थिति है, उसी में तैयारी करनी होगी।'' भारतीय टीम श्रीलंका के खिलाफ आखिरी वनडे 24 दिसंबर को खेलेगी जबकि 27 दिसंबर को उसे दक्षिण अफ्रीका रवाना होना है। कोहली ने कहा कि बड़ी श्रृंखला के लिए टीम को अलग तरीके से तैयारी करनी होती है लिहाजा दो श्रृंखलाओं के बीच ब्रेक होना चाहिए।

चुनौतियों का सामना करने की तैयारी के लिए यही मौका

उन्होंने कहा,'' भविष्य में हमें इस पर ध्यान देना होगा क्योंकि हम विदेश दौरे पर टीम का आकलन करने लगते हैं लेकिन यह नहीं देखते कि तैयारी के लिये कितना समय हमें मिला।'' भारतीय कप्तान ने कहा,'' टेस्ट मैचों के बाद नतीजे आने पर लोग खिलाडियों के बारे में आकलन करने लगते हैं। ऐसा नहीं होना चाहिये। यह भी देखना चाहिये कि हम जैसी तैयारी करना चाहते थे, हमें उसका मौका मिला या नहीं। हमें लगा कि आने वाली चुनौतियों का सामना करने की तैयारी के लिए यही मौका है।''

सिंधु ने हांगकांग सुपर सीरीज टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया

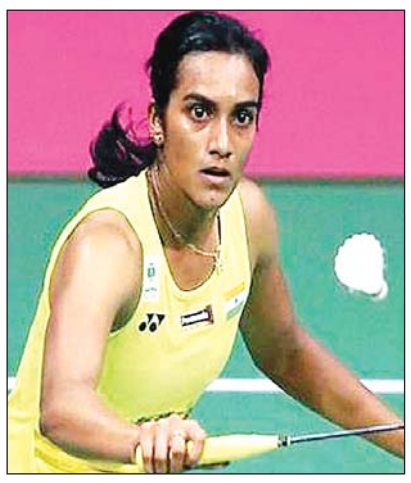

कोलून। ओलंपिक पदक विजेता और देश की स्टार महिला शटलर पीवी सिंधू ने गुरूवार को चार लाख डॉलर की ईनामी राशि वाले हांगकांग ओपन सुपर सीरीज बैडमिंटन टूर्नामेंट के क्वार्टरफाइनल में प्रवेश कर लिया।

विश्व की तीसरे नंबर की महिला खिलाड़ी सिंधू ने एकल के दूसरे दौर के मुकाबले में जापान की आया ओहोरी को 39 मिनट में लगातार गेमों में 21-14, 21-17 से पराजित किया। टूर्नामेंट में दूसरी वरीय सिंधू की 13वीं रैंकिंग की ओहोरी के खिलाफ यह करियर में लगातार तीसरी जीत है। इसी वर्ष एशिया चैंपियनशिप में भी भारतीय शटलर ने जापानी खिलाड़ी को मात दी थी। भारतीय खेमे की सबसे मजबूत खिलाड़ी सिंधू अब क्वार्टरफाइनल में पांचवीं वरीय जापान की अकाने यामागूची से भिड़ेंगी। दोनों खिलाड़ियों के बीच इस मुकाबले को काफी हाईप्रोफाइल कहा जा सकता है जहां तीसरी रैंकिंग की सिंधू विश्व की दूसरे नंबर की खिलाड़ी यामागूची का करियर में छठी बार सामना करेंगी। हालांकि रिकार्ड के मामले में भारतीय खिलाड़ी 3-2 से आगे हैं। सिंधू के पास जापानी खिलाड़ी से इस वर्ष फ्रेंच ओपन के सेमीफाइनल में मिली हार का बदला चुकता करने का भी मौका रहेगा। उनके अलावा टूर्नामेंट में अब केवल सायना नेहवाल और एच एस प्रणय ही शेष भारतीय खिलाड़ी हैं।

नागपुर टेस्ट : एक बार फिर पिच के तेज गेंदबाजों के अनुकूल होने की उम्मीद

नागपुर। कोलकाता में खेले गए पहले टेस्ट मैच में भारत और श्री लंका के बीच पांचों दिन अच्छी प्रतिस्पर्धा देखी गई थी। शुरुआती दिनों में बारिश और श्री लंकाई गेंदबाजों से परेशान रहने वाली मेजबान टीम ने अंत के दो दिनों में शानदार वापसी की, हालांकि जीत करीब आकर उसके हाथ से फिसल गई। विदर्भ क्रिकेट संघ स्टेडियम में शुक्रवार से शुरू हो रहे तीन टेस्ट मैचों की सीरीज के दूसरे मैच में मेजबान पहले टेस्ट मैच की भरपाई करते हुए जीत हासिल करना चाहेंगे। जामथा स्थित इस स्टेडियम की विकेट के भी घासयुक्त होने की उम्मीद है ताकि भारत को आगामी साउथ अफ्रीका दौरे के लिए तैयारी करने का मौका मिले।

श्रीनगर के आर्मी पब्लिक स्कूल में धोनी का 'सरप्राइज' दौरा

श्रीनगर। चैम्पियन क्रिकेटर महेंद्र सिंह धोनी कल अचानक यहां आर्मी पब्लिक स्कूल पहुंचे और छात्रों से बातचीत के दौरान खेलों और शिक्षा के महत्व पर जोर दिया। सेना में मानद् लेफ्टिनेंट कर्नल धोनी बादामीबाग कैंट में चिनार कोर मुख्यालय में स्थित स्कूल पहुंचे। उनके इस दौरे के बारे में पहले से कोई जानकारी नहीं थी। चिनार कोर ने कल भारत के पूर्व कप्तान की फोटो ट्विटर पर डाली। इसमें लिखा गया ,'' लेफ्टिनेंट कर्नल (मानद्) महेंद्र सिंह धोनी एपीएस श्रीनगर के उत्साही बच्चों से बातचीत करते हुए। खेलों और पढाई के महत्व पर उन्होंने जोर दिया।'

मैदान पर फिर आमने-सामने होंगे सहवाग और शोएब अख्तर

नई दिल्ली। पूर्व भारतीय सलामी बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग और पाकिस्तान के तेज गेंदबाज शोएब अख्तर के बीच प्रतिद्वंद्विता एक बार फिर क्रिकेट मुकाबले में देखने को मिलेगी, लेकिन इस बार यह आइस क्रिकेट में दिखाई देगा।

सहवाग और भारतीय बल्लेबाज मुहम्मद कैफ ने बुधवार को यहां सेंट मौरिट्ज आइस क्रिकेट का अनावरण किया। इस दौरान सहवाग ने शोएब अख्तर के खिलाफ आमने-सामने होने की पुष्टि की। सहवाग और शोएब की भिड़ंत स्विट्जरलैंड के सेंट मौरिट्ज में बर्फ की झील पर एल्प्स पर्वत के सामने होगी। सेंट मौरिट्ज में 1988 में शौकिया तौर पर क्रिकेट मैच हुआ था, लेकिन यह पहली बार होगा जब इस खेल के दिग्गज खिलाड़ियों के बीच यहां मुकाबला होगा।

अफ्रीका दौरे से पहले कोहली ने अश्विन, जडेजा को दिया बड़ा झटका

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान विराट कोहली ने दक्षिण अफ्रीका दौरे से पहले स्पिनर जोड़ी रविचंद्रन अश्विन और रविंद्र जडेजा को लेकर कहा कि विदेश दौरे पर इन दोनों की अंतिम एकादश में जगह पक्की होने की वह गारंटी नहीं दे सकते क्योंकि वहां एक ही स्पिनर से काम चल जायेगा। कोहली का ऐसा बयान अश्विन और जडेजा के लिए किसी बड़े झटके से कम नहीं है। उन्होंने यह बात कहकर संकेत दे दिए हैं कि अफ्रीका के खिलाफ वह तेज गेंदबाजों के महत्व देने वाले हैं ना कि स्पिन गेंदबाज को।

बल्लेबाजों को भी देखना होगा

कोहली ने आगे बातचीत करते हुए कहा,''मैं विदेश दौरे पर इसकी सौ फीसदी गारंटी नहीं दे सकता कि हम दो स्पिनरों के साथ उतरेंगे । हमें टीम का संतुलन भी देखना होगा । ये दोनों अपनी बल्लेबाजी क्षमता के कारण टेस्ट मैच में अंतिम एकादश के दावेदार हैं लेकिन विरोधी बल्लेबाजों को भी देखना होगा ।''

पिछले रिकॉर्ड मायने नहीं रखते

उन्होंने कहा ,'' यह समझना होगा कि यदि बाएं हाथ का कोई स्पिनर दाहिने हाथ के पांच बल्लेबाजों को गेंदबाजी कर रहा है या आफ स्पिनर चार खब्बू बल्लेबाजों को गेंद डाल रहा है । गेंद के एंगल से भी काफी फर्क हो जाता है और टेस्ट मैच में वह एक स्पैल भारी पड़ सकता है । ये छोटी छोटी बातें हैं जिनके आधार पर विदेश दौरे पर स्पिनर का चयन किया जायेगा ।'' कोहली ने कहा, '' जामथा पर 2008 में पहले टेस्ट के बाद से स्पिनरों ने 100 से ज्यादा विकेट लिये हैं लेकिन कल अंतिम एकादश चुनते समय इस पर ध्यान नहीं दिया जाएगा। यह मायने नहीं रखता क्योंकि आपको यह भी देखना है कि आप किस तरह के विकेट पर खेल रहे हैं। पिछले रिकॉर्ड मायने नहीं रखते क्योंकि अब विकेट बदल चुके हैं ।''

पहले एशेज टेस्ट में इंग्लैंड की धीमी शुरुआत

ब्रिसबेन। एशेज श्रृंखला में पदार्पण के साथ शतक के करीब पहुंचे इंग्लैंड के जेम्स विंस को रन आउट करके आस्ट्रेलिया ने पहले टेस्ट के शुरूआती दिन मैच में वापसी की । कप्तान जो रूट और एलेस्टेयर कुक दोनों सस्ते में आउट हो गए लेकिन विंस और मार्क स्टोनमैन ने इंग्लैंड की पारी को संभाला। बारिश और खराब रोशनी के कारण पहले दिन का खेल समय से पहले खत्म होने तक इंग्लैंड ने चार विकेट पर 196 रन बनाये थे। विंस 83 रन बनाकर आउट हुए जो जोश हेजलवुड की गेंद पर तेजी से रन लेने के प्रयास में नाथन लियोन के शानदार थ्रो पर रन आउट हो गए । इससे पहले लियोन की गेंद पर विकेटकीपर टिम पेन ने विंस का कैच छोड़ा था जब उनका स्कोर 68 रन था । विंस ने इसका फायदा उठाते हुए 170 गेंद की अपनी पारी में 12 चौके समेत 83 रन बनाये । इंग्लैंड की शुरूआत बेहद खराब रही और तीसरे ही ओवर में सलामी बल्लेबाज एलेस्टेयर कुक को मिशेल स्टार्क ने पवेलियन भेजा। उस समय स्कोरबोर्ड पर दो ही रन टंगे थे।

दूसरे विकेट के लिए 125 रन जोड़े

इंग्लैंड की 2010-2011 में एशेज श्रृंखला में 3-1 से जीत में सूत्रधार रहे कुक ने 766 रन बनाये थे लेकिन उसके बाद से अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पा रहे हैं । इसके बाद विंस और स्टोनमैन ने दूसरे विकेट के लिए 125 रन जोड़े । अभ्यास मैचों की चार पारियों में एक शतक और तीन अर्धशतक बनाने वाले स्टोनमैन चाय के समय 53 के स्कोर पर आउट हुए। दूसरी ओर विंस ने अपने पिछले सर्वोच्च टेस्ट स्कोर 42 रन को पीछे छोड़कर शानदार पारी खेली। विंस के आउट होने के 18 रन बनाकर रूटको पैट कमिंस ने पगबाधा आउट किया। पहले दिन का खेल समाप्त होने पर डेविड मालान 28 रन बनाकर खेल रहे थे जबकि मोईन अली ने 13 रन बना लिये हैं ।

अभी भी भारत को सुपरस्टार गेंदबाज की जरूरत: मांजरेकर

मुंबई। पूर्व बल्लेबाज संजय मांजरेकर ने इस प्रचलन की तारीफ की जिसमें गेंदबाज भारत के लिए मैच का रूख बदल रहे हैं, लेकिन उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि देश को युवा पीढ़ी को प्रेरित करने के लिए सुपरस्टार गेंदबाज की जरूरत है। मांजरेकर ने कहा, ''भारत में, हम बल्लेबाजी के प्रति कुछ ज्यादा ही जुनूनी हैं। उदाहरण के तौर पर पाकिस्तान के साथ ऐसा नहीं है। अगर आप पाकिस्तान को देखो तो उनके पास ज्यादातर गेंदबाज ही सुपरस्टार हैं जिसमें इमरान खान, वसीम अकरम और वकार यूनिस हैं। इसलिए उनके गेंदबाज नायक ज्यादा पूजनीय हैं। '' उन्होंने कहा, ''भारत ने हालांकि खेल में बल्लेबाजी में ही महानता हासिल की है, गेंदबाजी में इतनी नहीं है। लेकिन यह प्रशंसकों पर निर्भर करता है कि वे गेंदबाजों में से भी अपने नायक बनाना शुरू करें और मुझे लगता है कि अब ऐसा होना शुरू हो गया है।'' मांजरेकर ने कहा, ''हमारे पास मैच का रूख बदलने वाले गेंदबाज जैसे जसप्रीत बुमरा और भुवनेश्वर कुमार हैं जो मैन आफ द मैच या मैन आफ द सीरीज पुरस्कार जीत रहे हैं। यह अच्छा प्रचलन है, जो अलग है लेकिन आखिर में वो प्रशंसक ही होते हैं जो अपने नायक बनाते हैं। लेकिन वे बल्लेबाजों को ज्यादा पसंद करते हैं।''

विराट की बात पर हो गंभीरता से विचार: सीके खन्ना

नागपुर। बीसीसीआई के कार्यवाहक अध्यक्ष सीके खन्ना ने गुरुवार को कहा कि बोर्ड को कप्तान विराट कोहली के व्यस्त कार्यक्रम के विचार पर गंभीरता से आकलन करने की जरूरत है जिससे भारत के पास अगले महीने साउथ अफ्रीका के खिलाफ उसकी सरजमीं पर होने वाली सीरीज की तैयारी के लिए बहुत ही कम समय बचा है। खन्ना यह भी चाहते हैं कि बोर्ड सदस्य इतने कम समय में लगातार तीन सीरीज रखने के फैसले पर भी ध्यान दें। खन्ना ने कहा, %विराट भारतीय कप्तान हैं और क्रिकेट से जुड़े मामलों में उनके विचारों को पूरी गंभीरता से देखा जाना चाहिए। हमें टीम के प्रदर्शन पर गर्व है लेकिन अगर खिलाड़ी थके हुए महसूस कर रहे हैं तो हमें इस मुद्दे पर विचार करने की जरूरत है। इस अनुभवी प्रशासक ने स्वीकार किया कि बोर्ड को भविष्य की घरेलू सीरीज के आयोजन पर ध्यान देने की जरूरत है। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि हमें आकलन करना चाहिए कि क्या खिलाड़ियों को बिना ब्रेक दिए लगातार तीन सीरीज आयोजित करना अच्छा विकल्प है या नहीं। इस मामले को उचित मंच पर उठाया जाना चाहिए। यह अच्छा होगा, अगर इस मुद्दे को 9 दिसंबर को होने वाली आम सभा बैठक में शामिल किया जाए। भारतीय क्रिकेटर आईपीएल के शुरू होने के बाद से लगातार क्रिकेट खेल रहे हैं।

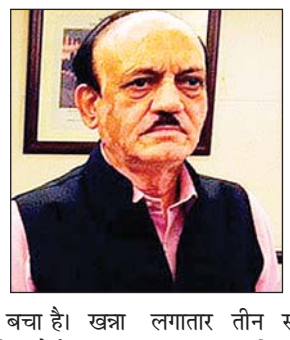

भुवनेश्वर बने जोरु के गुलाम

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के तेज गेंजबाज भुवनेश्वर कुमार जोरु के गुलाम बन गए हैं। उन्होंने पहले हल्दी रसम पूरी की और फिर अपनी दोस्त नुपुर नागर के साथ शादी के बंधन में बंधने के लिए उनके पास बारात लेकर पहुंचे। मेरठ में आज सुबह के समय बाइपास स्थित होटल ब्राउरा में बारात लेकर पहुंचे भुवी के परिजनों ने ढोल नगाड़ों पर खूब डांस किया। भुवनेश्वर की शादी की रस्म मंगलवार से ही शुरू हो गई थी। मंगलवार शाम को लगन की रस्म हुई जिसमें रिश्तेदारों के साथ भुवनेश्वर के बहन रेखा और मम्मी-पापा और दोस्तों ने जमकर धमाल मचाया था। लगन की रस्म के बाद लेडीज संगीत में दिल्ली की सिंगर कनिका गौड़ ने परफॉर्मेंस दी। उनके साथ भुवनेश्वर के पिता किरनपाल सिंह और मां इंद्रेश ने भी डांस किया। भुवनेश्वर ने पैतृक गांव लुहारली में 26 नवंबर को रिसेप्शन रखा गया जबकि दिल्ली में 05 दिसंबर को स्पेशल रिसेप्शन होगा जिसमें सचिन तेंदुलकर, सुनील गावस्कर, भारतीय एवं श्रीलंका क्रिकेट टीम के खिलाड़ियों समेत फिल्मी सितारे शिरकत करेंगे।

हाल ही में शिखर धवन ने सोशल मीडिया के जरीए एक वीडियो शेयर की है, जिसमें भुवी से उनकी शादी को लेकर कुछ सवाल-जबाव किया। धवन ने कहा कि लो जी हमारा एक और शेर कल जोरु का गुलाम बन जाएगा और मोतीचूर का लड्डू जो खाए वो भी पछताए जो ना खाए वो भी पछताए, कैसा लग रहा है। भुवी ने जबाव देते हुए कहा, शादी कल नहीं 23 नवंबर को हैं. तैयारी वैसे कुछ नहीं है जो किया है घर वालों ने किया हैं। अभी मैच खेलकर आए हैं थके हैं तो पता नहीं वहां जाकर क्या फीलिंग आएगी।

विश्व जूनियर चैस चैंपियनशिप प्रग्गानंधा और तेरी का मैच बराबरी पर समाप्त हुआ

ट्रैविसियो। विश्व जूनियर चैस चैंपियनशिप के नौवें राउंड में भारत के आर प्रग्गानंधा टूर्नामेंट के अभी तक के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी, आर्यन तेरी के खिलाफ टॉप बोर्ड पर खेले। एक समय पर आगे चल रहे प्रग्गानंधा को अंत में डॉ से संतुष्ट होना पड़ा।

नौवें दौर ने खिताब के उम्मीदवार प्रग्गानंधा को टूर्नामेंट में इस मौके पर सबसे अच्छा मौका दिया था। यदि वह जीत हासिल करते तो वह अपने प्रतिद्वंद्वी से आगे बढ़ जाते। मैच के शुरूआत में तारी प्रग्गानंधा के लिए सरप्राइज़ लेकर बोर्ड पर आए थे।

तारी एक खास तैयारी के साथ आए थे जिसमें ey pawn का त्याग करना शामिल था। लेकिन जल्द ही तारी की थोड़ी गलती के बाद प्रग्गानंधा अपनी स्थिति मजबूत करने लगे। परंतु जब भारतीय स्टार के लिए सब सही चल रहा था तभी अचानक उन्होंने 'positional error' कर डाला और अंत में मैच डॉ पर समाप्त हुआ।